डेंगू के पहले टीके को तीन देशों में मंज़ूरी

डेंगू बुखार किसी परिचय का मोहताज़ नहीं है। जब मादा *एडीस एजिप्टी* मच्छर मनुष्य का खून पीने को उसे काटती है, तब शरीर में डेंगू का वायरस छोड़ देती है। एक अनुमान के मुताबिक प्रति वर्ष करीब 40 करोड़ लोग डेंगू वायरस से संक्रमित होते हैं। डेंगू संक्रमण से फ्लू-नुमा बुखार आता है और यह जनलेवा साबित हो सकता है। खासकर बच्चों में यह गंभीर रूप धारण कर लेता है। अभी हाल तक इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय यही था कि खुद को मच्छरों के दंश से बचाएं।

मगर अब एक फ्रांसीसी दवा कंपनी सैनोफी ने एक टीका विकसित किया है - डेंगवैक्सीया। इसके उपयोग की अनुमति फिलहाल तीन देशों में मिली है - मेक्सिको, फिलीपाइन्स और ब्राज़ील। पिछले वर्ष ब्राज़ील में डेंगू के 14 लाख मामले हुए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह टीका कब वास्तव में देना शुरू किया जाएगा और इसकी कीमत कितनी होगी।

डेंगवैक्सीया को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को डेंगू के चारों प्रकारों के खिलाफ एंटीबॉडी बनाने को उकसाता है। यह दरअसल एक अन्य वायरस - पीत ज्वर वायरस - का दुर्बल बनाया गया टीका है। पीत ज्वर का वायरस और डेंगू वायरस एक ही वंश के सदस्य हैं। टीका बनाने के लिए वायरस में ऐसे जेनेटिक परिवर्तन किए गए हैं कि इसमें डेंगू प्रोटीन्स बनाने वाले जीन्स भी शामिल हो गए हैं।

यह तो स्पष्ट है कि डेंगू के खिलाफ एक टीके की सख्त ज़रूरत है। मगर डेंगवैक्सीया एक संपूर्ण टीका नहीं है। यह मात्र 60 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करता है अर्थात टीका लेने के बाद बीमारी होने का खतरा लगभग 60 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके अलावा इस टीके को अनुमति सिर्फ 9-45 वर्ष उम्र के व्यक्तियों के लिए मिली है और वह भी ऐसे क्षेत्रों में जो डेंगू के घर हैं। छोटे बच्चों और बुज़ुर्गों में इसके उपयोग की अनुमति नहीं है जबकि ये लोग ही डेंगू का सर्वाधिक खतरा झेलते हैं।

छोटे बच्चों में डेंगवैक्सीया की अनुमति इसलिए नहीं दी गई है क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यंत नाज़ुक होता है और टीका उसे प्रतिकूल प्रभावित भी कर सकता है।

टीके को लेकर एक समस्या यह भी है कि टीकाकृत व्यक्तियों को जीवन में बाद में कभी डेंगू का संक्रमण हुआ तो उनमें बीमारी ज़्यादा गंभीर रूप में प्रकट होगी। टीके को लेकर सवालों के मद्देनज़र विश्व स्वास्थ्य संगठन के टीकाकरण सलाहकार अप्रैल 2016 में इस टीके की छानबीन करके इसके उपयोग सम्बंधी सिफारिशें देंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***